श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

श्रीशङ्कराचार्य विरचितम्

# ॥ नारायणस्तोत्रम् ॥

*This document has been prepared by*

*Sunder Kidāmbi*

*with the blessings of*

**श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्**

*His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam*

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

# ॥नारायणस्तोत्रम् ॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे॥

करुणापारावार वरुणालयगम्भीर नारायण॥ 1 ॥

नवनीरदसङ्काश कृतकलिकल्मषनाश नारायण॥ 2 ॥

यमुनातीरविहार धृतकौस्तुभमणिहार नारायण॥ 3 ॥

पीताम्बरपरिधान सुरकल्याणनिधान नारायण॥ 4 ॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे॥

मञ्जुलगुञ्जाभूष मायामानुषवेष नारायण॥ 5 ॥

राधाधरमधुरसिक रजनीकरकुलतिलक नारायण॥ 6 ॥

मुरलीगानविनोद वेदस्तुतभूपाद नारायण॥ 7 ॥

वारिजभूषाभरण राजीवरुक्मिणीरमण नारायण॥ 8 ॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे॥

जलरुहदलनिभनेत्र जगदारम्भकसूत्र नारायण ॥ 9 ॥

पातकरजनीसंहार करुणालय मामुद्धर नारायण ॥ 10 ॥

अघबकक्षयकंसारे केशव कृष्ण मुरारे नारायण ॥ 11 ॥

हाटकनिभपीताम्बर अभयं कुरु मे मावर नारायण ॥ 12 ॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे ॥

दशरथराजकुमार दानवमदसंहार नारायण ॥ 13 ॥

गोवर्धनगिरिरमण गोपीमानसहरण नारायण ॥ 14 ॥

सरयूतीरविहार सज्जन ऋषिमन्दार नारायण ॥ 15 ॥

विश्वामित्रमखत्र विविधपरासुचरित्र नारायण ॥ 16 ॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे ॥

ध्वजवज्राङ्कुशपाद धरणीसुतसहमोद नारायण ॥ 17 ॥

जनकसुताप्रतिपाल जय जय संस्मृतिलील नारायण ॥ 18 ॥

दशरथवाग्धृतिभार दण्डकवनसञ्चार नारायण ॥ 19 ॥

मुष्टिकचाणूरसंहार मुनिमानसविहार नारायण ॥ 20 ॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे ॥

वालिनिग्रहशौर्य वरसुग्रीवहितार्य नारायण ॥ 21 ॥

मां मुरलीकर धीवर पालय पालय श्रीधर नारायण ॥ 22 ॥

जलनिधिबन्धनधीर रावणकण्ठविदार नारायण ॥ 23 ॥

ताटकमर्दनराम नटगुणविविधधनाढ्य नारायण ॥ 24 ॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे ॥

गौतमपत्नीपूजन करुणाघनावलोकन नारायण ॥ 25 ॥

संभ्रमसीताकार साकेतपुरविहार नारायण ॥ 26 ॥

अचलोद्धृतिचञ्चत्कर भक्तानुग्रहतत्पर नारायण ॥ 27 ॥

नैगमगानविनोद रक्षितसुप्रह्लाद नारायण ॥ 28 ॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे ॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे ॥

॥ इति नारायणस्तोत्रं समाप्तम् ॥